This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19
DEC 2018

S. No. of Question Paper : **7298**

Unique Paper Code : **62057502** **IC**

Name of the Paper : **DS Elective Hindi Bhasha ka Vyavharik Vyakaran**

(हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण)

Name of the Course : **B.A. (Programme) Hindi CBCS-DSE-I**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. भाषा की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

भाषा और व्याकरण के महत्व को प्रतिपादित करते हुए दोनों के आपसी संबंधों पर प्रकाश डालिए। 12

2. शब्द की व्याकरणिक कोटि के रूप में क्रिया की परिभाषा एवं भेद लिखिए।

अथवा

उपसर्ग और प्रत्यय में अंतर स्पष्ट करते हुए शब्द-निर्माण में उनकी भूमिका स्पष्ट कीजिए। 12

3. भाषा में वाक्य के महत्व को स्पष्ट करते हुए उसके विभिन्न अंगों का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी में प्रयुक्त विराम-चिह्न कौन-कौनसे हैं ? उनकी उपयोगिता लिखिए। 12

4. अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हिंदी साधारण जनता की भाषा है। जनता के लिए ही उसका जन्म हुआ था और जब तक वह अपने को जनता के काम की चीज़ बनाकर रहेगी, जनहित में आत्मबल का संचार करती रहेगी, तब तक उसे किसी से डर नहीं है। वह भीतरी अपराजेय शक्ति के बल पर बड़ी हुई है, लोकसेवा के महान व्रत के कारण बड़ी हुई है और यदि मूल शक्ति के स्रोत को भूल नहीं गई तो नि:संदेह अधिकाधिक शक्तिशाली होती जाएगी। उसका कोई कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता। वह विरोधों और संबंधों के बीच ही पली है, उसे जन्म के समय ही मार डालने की कोशिश की गई थी, पर वह मरी नहीं है, क्योंकि उसकी जीवन शक्ति का अक्षय स्रोत जनचित्त है। वह किसी राजशक्ति की उंगली पकड़कर यात्रा तय करने वाली भाषा नहीं है, अपने आपकी भीतरी शक्ति से महत्त्वपूर्ण आसन पर अधिकार करने वाली अद्वितीय भाषा है।

(क) हिंदी किसकी भाषा है ? उसकी अपराजेयता का आधार क्या है ? 3

(ख) नीचे दिए गए शब्दों में से किन्हीं **तीन** के वचन बदलिए : 3

भाषा, वह, उंगली, विरोधों, व्रत।

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 2

(घ) प्रस्तुत गद्यांश का सारांश लिखिए। 4

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए :

नालायक, अधपका, अनाथ, विज्ञान, परिश्रम। 3

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : 3

गायक, स्वागत, लोकेश, दिग्पाल, विद्यालय।

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों के शुद्ध-रूप लिखिए : 3

पृकृति, प्रसाशन, उज्जवल, असमिता, आर्दश।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **तीन** वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 3

(*i*) देखा मैंने पेड़ों पर बैठे गिद्ध और चीलों को।

(*ii*) मेरे को खाना खाना है।

(*iii*) वह चलता-चलता रुक गया।

(*iv*) बच्चे को छीलकर सेब खिलाओ।

(*v*) बीती बातों को भुला देनी चाहिए।

(ङ) निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **तीन** के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए : 3

(*i*) गड़े मुर्दे उखाड़ना

(*ii*) छाती पर मूँग दलना

(*iii*) भीगी बिल्ली बनना

(*iv*) खोदा पहाड़ निकली चुहिया

(*v*) सौ सुनार की एक लुहार की।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : 6,6

(क) वर्ण एवं मात्राएँ

(ख) शब्द और पद में अंतर

(ग) स्वर संधि

(घ) संयुक्त वाक्य।

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY DEC 2018 Kalkaji, New Delhi-19

This question paper contains **3** printed pages.

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7299**

Unique Paper Code : **62057501** **IC**

Name of the Paper : **Hindi ki Maukhik Aur Lok Sahitya Parampara**

(हिन्दी की मौखिक और लोक साहित्य परम्परा)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi CBCS-DSEI**

Semester : **V**

Duration : 3 Hours Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7+7

(क) से चुनरी पेन्हेली कचन देहे, चुकवन पानी भर हो।
ऐ ललना, हथिया चढल हथिअहवा, त बोलिया एक बोलेला हो॥
बेकरि हऊ तुहूँ धियचा त केकर पतोहिया हउ हो।
ए ललना, कचना साहेब के तिरियवा, त चुकवनि पानी भरे हो॥

अथवा

साढ़ महीने बिरखा लागी, बजरियाँ री वाह ।
माऊ जी म्हारे भातो लावै, बाहरे, साईं वाह ॥

P.T.O.

सावण महीने बाजर लागी, नीनाएं री नाह ।
काचरियाँ री बेलां टालां, वाह रे सांई वाह ॥
भादू महीने भूंगा होसी, तीवणियां री ताह ।
बाजरियाँ री रोटी खांवा, वाह रे सांई वाह ॥

(ख) गंगा जी के आवै ते पापिन का बड़ा फायदा भा। जो कोउ गंगा नहाय ल्यात उइ तरीके बैंकुंठे पहुँचि जात रहा। ई तरा तेसरग लोक माँ मनइन के आबादी बाढ़े लागि। तब एक दिन भगवान। जमराज का बोलाय कै पूँछेनि कि जमराज जी, का कलजुग खतम होइगा ? जमराज बोले-भगवन! कलजुग अबै कइसे खतम होइ जाई, अबै तो सुरुआत भय है।

अथवा

सूरजनाराण के बड़ो दुख हुयो। बोल्या-''तो जदी घर घर असीज बऊना हाड़का की माल हुई री हागी। दूसरा दन ने उनने अपण राज में डूंडी फिरई दी, के जो कोई दो मूंडों की दोणी घड़ेगा और जो बापरेगा, उनके देस निकाला दिया जायगा। इस तरे माँ की चालाकी खुली गी। उसा बाद सासू बऊ मजे में रेबा लगी।

2. लोकगीत का परिचय सोदाहरण लिखिए। 12

अथवा

मौखिक साहित्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

3. सोहर, विवाह एवं मंगलगीत का परिचय दीजिए। 12

अथवा

'श्रमसम्बन्धी गीत' से आप क्या समझते हैं ? इनके विभिन्न प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

4. 'लोककथा' विधा का सामान्य परिचय देते हुए प्रसिद्ध लोककथाओं का उल्लेख कीजिए। 12

अथवा

'आल्हा' एवं लोरिक नामक लोकगाथाओं का परिचय दीजिए।

5. लोकनाट्य से आप क्या समझते हैं ? युक्तियुक्त विवेचन कीजिए। 12

अथवा

उत्तर प्रदेश की 'भांड' नाट्य शैली का विवेचन कीजिए।

6. निम्नलिखित में से **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 7+6

(क) जनपदीय बोलियाँ
(ख) रामलीला
(ग) मुहावरे
(घ) पद्मावत सांग
(ङ) बिदेसिया।

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

6
DEC 2018
DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : 7300

Unique Paper Code : 62057503 IC

Name of the Paper : Hindi Rangmanch

Name of the Course : B.A. (Prog.) Hindi CBCS-DSE-I

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पारंपरिक लोक नाट्य शैली के किन्हीं दो रूपों का परिचय दीजिए।

अथवा

आधुनिक रंगमंच की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 14

2. हिंदी रंगमंच परम्परा में भारतेंदुयुगीन रंगमंच की विशिष्ट भूमिका का उल्लेख कीजिए।

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच के विकास में किन्हीं दो रंग प्रशिक्षण संस्थानों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 14

3. आधुनिक हिंदी रंगमंच की यथार्थवादी शैली की विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

P.T.O.

अथवा

आधुनिक हिंदी रंगमंच में लोकशैली की भूमिका को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 14

4. आधुनिक हिंदी रंगमंच को समृद्ध करने वाले किन्हीं **दो** निर्देशकों की रंगयात्रा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

इब्राहिम अल्काजी और हबीब तनवीर की रंगदृष्टि का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 14

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 6,6,7

(क) बिदेसिया;

(ख) पारसी थियेटर;

(ग) एब्सर्ड शैली;

(घ) लखमीचंद;

(ङ) इप्टा।

This question paper contains 4 printed pages]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY ★ IC Kalkaji, New Delhi-19 ★ DEC 2018

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7342**

Unique Paper Code : **62057502**

Name of the Paper : **DS Elective Hindi Bhasha ka Vyavharik Vyakaran**

(हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण)

Name of the Course : **C.B.C.S. B.A. (Programme) Hindi CBCS-DSE-II**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. भाषा की परिभाषा पर विचार करते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

व्याकरण का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए भाषा और व्याकरण के अंत:संबंध पर प्रकाश डालिए। 12

2. स्रोत के आधार पर शब्द के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

शब्द की व्याकरणिक कोटि के रूप में क्रिया के विविध भेद लिखिए। 12

3. वाक्य की परिभाषा देते हुए रचना की दृष्टि से इसके प्रकारों का परिचय दीजिए।

अथवा

विराम चिह्न से आप क्या समझते हैं ? हिंदी भाषा के संदर्भ में इनके महत्व पर प्रकाश डालिए। 12

4. अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भारत की समृद्धि के कारण विदेशी इसे सोने की चिड़िया कहते थे। यहाँ के इत्र, आभूषण, वस्त्र और मसालों की यूरोप में बड़ी माँग थी। प्राचीन समय में यूरोप में बनने वाले कपड़े के मुकाबले भारतीय कपड़े उम्दा होते थे। मसाले तो वहाँ उगते ही नहीं थे, लेकिन वहाँ के उच्च-वर्ग के लोगों को भारतीय मसालों, विशेषकर कालीमिर्च का स्वाद बहुत पसंद था। सदियों से भारत की कालीमिर्च और अन्य वस्तुएँ तुर्की के माध्यम से यूरोप पहुँच रही थीं। अचानक तुर्की और यूरोप में युद्ध छिड़ जाने के कारण यह मार्ग व्यापार के लिए बंद हो गया। यूरोप के लोगों को कालीमिर्च मिलना कठिन हो गया। विवश होकर उन्होंने कालीमिर्च के

देश भारत तक पहुँचने के लिए समुद्री मार्ग की तलाश आरंभ की। इसमें अंततः पुर्तगाल के निवासी वास्को-द-गामा को सफलता हाथ लगी।

(क) गद्यांश में से **तीन** तत्सम शब्द छाँटकर लिखिए। 3

(ख) किन्हीं **तीन** शब्दों के अर्थ लिखिए : 3

आभूषण, उम्दा, मार्ग, अचानक, आरंभ

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 2

(घ) प्रस्तुत गद्यांश का सारांश लिखिए। 4

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए :

अधर्म, प्रतिकूल, अपव्यय, गैरहाज़िर, सुकर्म। 3

(ख) निम्नलिखित समस्तपदों में से किन्हीं **तीन** का विग्रह कर भेद लिखिए : 3

यथाशक्ति, नवग्रह, नीलकमल, लंबोदर, दानवीर।

(ग) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों के शुद्ध-रूप लिखिए : 3

आर्शीवाद, वेदिक, कृप्या, बीमारीयाँ, अनुकुल

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **तीन** वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 3

(*i*) एक दिन चार लड़का मेरे घर आये।

(*ii*) मेरे को भूख लगी है।

(*iii*) महोदया, आप बैठो।

(*iv*) एक पीतल का बर्तन भी खरीद लाते।

(*v*) गाय काली चर रही है।

(ङ) निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **तीन** के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए : 3

(*i*) श्री गणेश करना

(*ii*) नमक मिर्च लगाना

(*iii*) पैरों में सनीचर होना

(*iv*) आम के आम गुठलियों के दाम

(*v*) नया नौ दिन पुराना सौ दिन

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : 6,6

(क) हिंदी की ध्वनियाँ

(ख) शब्द और पद में अंतर

(ग) प्रत्यय

(घ) स्वर संधि।

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

8
DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19
DEC. 2018

S. No. of Question Paper : **7344**

Unique Paper Code : **62057503**

Name of the Paper : **Hindi Rangmanch**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi : CBCS-DSE-II**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. बिदेसिया नाट्य शैली का विवेचन कीजिए। 14

अथवा

पारंपरिक रंगमंच की किन्हीं दो शैलियों का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

2. पारसी रंगमंच का सोदाहरण परिचय दीजिए। 14

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच के विकास में रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

3. रंगकर्म की यथार्थवादी और लोकनाट्य शैलियों के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 14

अथवा

एब्सर्ड नाट्य शैली की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4. ब.ब. कारंत और सत्यदेव दुबे के निर्देशन-कर्म की विशेषताओं का परिचय दीजिए। 14

अथवा

श्यामानंद जालान और इब्राहिम अल्काजी की रंगदृष्टि का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 6,6,7

(क) रामलीला;

(ख) पृथ्वी थियेटर;

(ग) लोकनाट्य शैली;

(घ) लखमीचंद;

(ङ) राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय।

(9)

DEC/2018

This question paper contains 3 printed pages]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7343

Unique Paper Code : 62057501 IC

Name of the Paper : Hindi Ki Maukhik Aur Lok Sahitya Parampara

हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परम्परा

Name of the Course : B.A. (Prog.) Hindi–CBCS–DISP–II

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7+7

(क) गोतिनी बैरिनी परभू भेजल जंतसरिया
जंतवउ न चलइ परभू मकरी न डोलई
जंतवा के धइले परभू रोवई जंतसरिया
बहिया पकरि लछिमन जंघिया बइठइलेन
अपने गमछवे हो लछिमन पोंछे नयना लोरवा

अथवा

ईजू मेरी काखी मेरी दयावंति घर ही बोला छ,
इहो घर ही बोला छ,
ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद घर ही पढूला बटू,
घर ही पढूला
चार ही वेद बटू घर ही पढूला बटू घर ही पढूला

P.T.O.

(ख) सूरजनाराण की माँ बड़ी मतलबी थी। उने कई करथा के एक दन कुमार काँ जई ने दो मूंडा की दोणी घडवई ली। वस ती दोणी को एकन मूंडो था, पण उका में आड़ देने से दो गरज सरती था। अब उने कई करथा के जद दोणी घर लई तो एक बाजू खीर दूसरी बाजू राबड़ी राँदना की सुरुवात कर दी। बऊ बापड़ी के या चाल समझ में नीं अई। जदे दोई सासू बऊ जीमण बैठती, तो सासू तो खीर लई लेती ने राबड़ी बऊ आगे मेल देती।

अथवा

कावनी उजाड़ में एक कुवो हो, जको अठे एक कछवो अर एक गादडो अर एक गादडा गो। वे तीनों सामल ई रेता, जको आपके चुगो पांणी रचावता र न रचनवता। एक दिन छिपते सी एक सीकार खेलतो गी ठीने आगो। जणा राजा बोल्यो—'अठे ठेराँ जणा साथ नोकर हा।' जका बोल्या के अठे एक कुवौ है।

2. सांस्कृतिक जीवन में लोक संस्कृति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 12

अथवा

लोक साहित्य का उदाहरण सहित सामान्य परिचय दीजिए।

3. ऋतु सम्बन्धी गीतों के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'विवाह गीत भोजपुरी संस्कृति की एक पहचान है।' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. 'लोक-कथाएँ सामाजिक जीवन की उपज हैं।' इस कथन की विवेचना कीजिए। 12

अथवा

'लोक गाथा' की विशेषता बताते हुए प्रमुख लोक-गाथाओं का सामान्य परिचय लिखिए।

5. 'बिदेसिया' में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

नौटंकी और सांग लोकनाट्य शैलियों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. निम्नलिखित में से **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 7+6

(क) राजस्थान का ख्याल

(ख) लोकोक्तियाँ—मुहावरे

(ग) जनपदीय बोलियाँ

(घ) रामलीला

(ङ) हरियाणवी-सांग।